⇒ सतही परिसंचरण + वायुमंडलीय दाब पेटियां

वाणिज्यिक पवन :-
- इनके कारण विषुवतीय जल धारा चलती है।
- इनके कमजोर होने पर लनीनों घटना होती है।
- डोलड्रम पर पवनों का अभिसरण होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- अश्व अक्षांश पर पवनों का अपसरण होता है।
- डोलड्रम में चक्रवातों के अनुकूल स्थिति होती है जबकि अश्व अक्षांश में प्रति-चक्रवातों के अनुकूल होती है।

⇒ कोरिओलिस विचलन :

•- उत्तरी गोलार्द्ध में पवनें अपनी दायीं ओर मुड़ जाती हैं।

•• दक्षिणी गोलार्द्ध में पवनें अपनी बायीं ओर मुड़ जाती हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

*- सभी वायुदाब पेटियां सूर्य के वार्षिक मार्ग का अनुसरण करते हुए उत्तर व दक्षिण दिशा में खिसकती हैं। - (ITCZ)

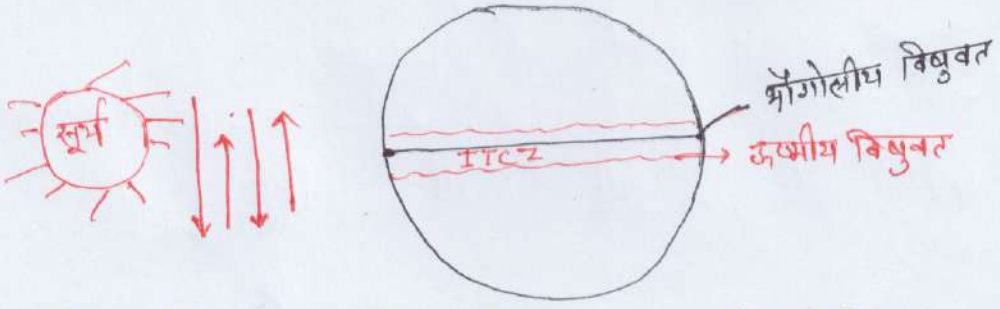

* पवनें यदि विषुवत रेखा को पार करती हैं तो वह अपने मार्ग से विचलित होती हैं।

⇒ आर्द्रता एवं वर्षण के प्रकार

आर्द्रता - वायु में व्याप्त जलवाष्प की मात्रा

⇓

स्रोत - पृथ्वी पर विद्यमान जल-चक्र

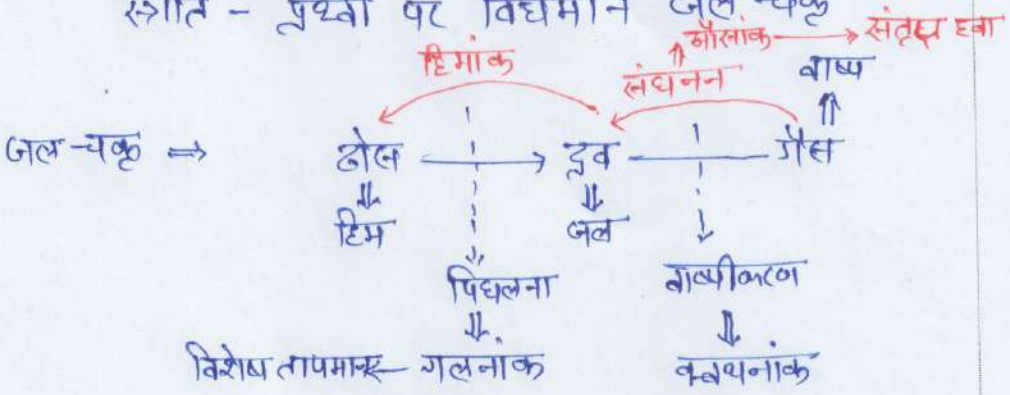

* ⇒ संतृप्तता (Saturation) - वायु में आर्द्रता ग्रहण करने की क्षमता।

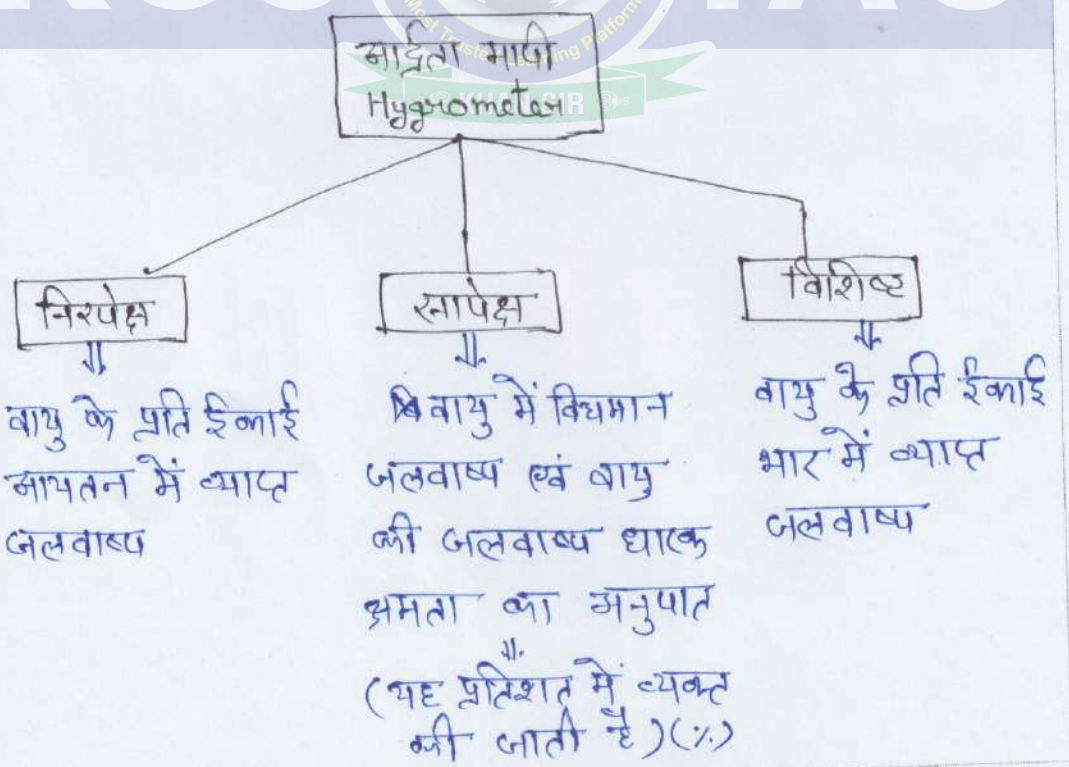

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES

⇒ वर्षण ⇒ आर्द्रता युक्त वायु संघनित होकर वर्षा करती है।

↓

असंतृप्त वायु → ओस बिन्दु ⟶ संघनन → वर्षा

⇒ वर्षा के प्रकार ⇒ संवहनीय वर्षा, पर्वतीय वर्षा, वाताग्रीय वर्षा

⇒ बादलों के प्रकार :-

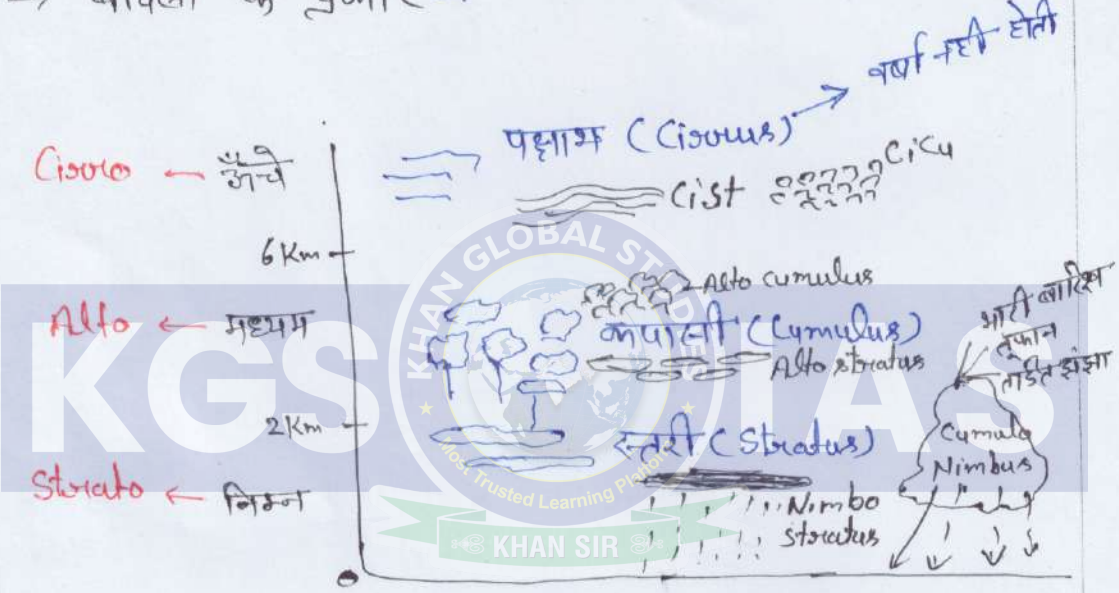

→ पक्षाभ ⟶ पंखदार उपस्थिति

→ कपासी ⟶ लम्बवत रूप से बढ़ने वाला

→ स्तरी ⟶ क्षैतिज रूप से फैला हुआ

→ निंबस ⟶ वर्षा देने वाला बादल

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR